

भारतीय नौसेना दविस 2024

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दविस मनाया गया, जिसमें वर्ष 1971 के भारत-पाकसिस्तान युद्ध और ऑपरेशन ट्राइडेंट का सम्मान किया गया, जिसमें पाकसिस्तान के कराची बंदरगाह पर हमला करने में भारतीय नौसेना की रणनीतिक सफलता पर प्रकाश डाला गया।

- वर्ष 2024 की थीम है "नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से ताकत और शक्ति"। यह दिनी राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने और समुद्री हतियों की रक्षा करने में भारतीय नौसेना की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है

भारतीय नौसेना:

- 1 मई 1830 को ईस्ट इंडिया कंपनी ब्रिटिश क्राउन के अधीन आ गई और उसे सैन्य बल का दर्जा प्राप्त हुआ, जिससे वह भारतीय नौसेना बन गई। वर्ष 1858 में इसका नाम बदलकर हर मैजिस्टीज़ इंडियन नेवी (Her Majesty's Indian Navy) कर दिया गया।
 - भारतीय नौसेना ने भगवान वरुण के वैदिक आह्वान "शं नो वरुणः" को अपने प्रतीक आदर्श वाक्य के रूप में अपनाया, जिसका अर्थ है "हे वरुण, आप हमारे लिये शुभ रहें।"
- 21 अक्टूबर 1944 को पहली बार नौसेना दविस मनाया गया।
 - वर्ष 1972 से, नौसेना दविस 4 दिसंबर को अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और कराची बंदरगाह मसिइल हमले में वर्ष 1971 के सफल नौसैनिक अभियानों के सम्मान में और युद्ध शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिये मनाया जाता है।
- नौसेना में तीन कमान हैं, जिनमें से प्रत्येक एक फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के नियंत्रण में है: पश्चिमी (मुख्यालय-मुंबई), पूर्वी (वशिखापत्तनम) और दक्षिणी नौसेना कमान (कोच्ची)।

और पढ़ें: [भारतीय नौसेना दविस](#)